Nai Dunia (Indore), 10th June 2022, Page-13

क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालयों की स्थिति सुधरी

- देश के 12 विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में सुधार
- सात नए विश्वविद्यालयों ने भी रैंकिंग में बनाया स्थान

नई दिल्ली(ब्यूरो)। प्रतिष्ठित क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारत के विश्वविद्यालयों की स्थिति सुधरी है और इसमें देश के कुल 41 विश्वविद्यालयों ने स्थान पाया है। इनमें से 12 की रैंकिंग में सुधार हुआ है, 12 की रैंकिंग स्थिर है, 10 की रैंकिंग खराब हुई है और सात नए विश्वविद्यालयों ने इस रैंकिंग में स्थान बनाया है। भारतीय विश्वविद्यालयों में 31 स्थानों की छलांग के साथ बेंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस (आइआइएससी) शीर्ष पर है। आइआइटी, बांबे दूसरे और 11 स्थानों की छलांग लगाकर आइआइटी, दिल्ली तीसरे स्थान पर है। इस रैंकिंग में दुनियाभर के करीब 1,500 विश्वविद्यालय शामिल हैं। दुनियाभर के विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन के बारे में लंदन स्थित क्यूएस रैंकिंग का 19वां संस्करण बुधवार को जारी किया गया। इसमें शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में बेंगलुरु स्थित आइआइएससी दक्षिण एशिया का सबसे तेजी से आगे बढ़ता विश्वविद्यालय है। इस वर्ग में चार आइआइटी भी शामिल हैं जिन्होंने पिछले संस्करण के मुकाबले बेहतर रैंक हासिल की है। आइआइटी, बांबे ने रैंकिंग में 172वां स्थान और आइआइटी दिल्ली ने 174वां स्थान हासिल किया है।

इन विश्वविद्यालयों की गिरी रैंकिंग: दिल्ली स्थित विश्वविद्यालयों में दिल्ली विश्वविद्यालय अपने पहले की 501-510 की श्रेणी से फिसलकर 521-530 श्रेणी में आ गया है, जबकि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की रैंकिंग जो पहले 561-570 के बीच थी, इस बार गिरकर 601-650 की श्रेणी में आ गई है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया की रैंकिंग जो पिछले साल 751-800 के बीच थी, अब घटकर 801-1000 के बीच आ गई है। जामिया हमदर्द पिछले संस्करण में 1001-1200 के बीच था, जो अब 1201-1400 की श्रेणी में आ गया है। दिल्ली के बाहर के विश्वविद्यालयों में हैदराबाद विश्वविद्यालय की रैंकिंग 651-700 की श्रेणी से गिरकर 751-800, जाधवपुर विश्वविद्यालय की रैंकिंग 651-700 की श्रेणी से गिरकर 701-750 और आइआइटी भुवनेश्वर की रैंकिंग 701-750 से गिरकर 801-1000 की श्रेणी में पहुंच गई है।

आइआइटी इंदौर भी

इस साल जिन सात नए भारतीय विश्वविद्यालयों ने क्यूएस रैंकिंग में स्थान बनाया है। ये हैं- आइआइटी इंदौर, मद्रास विश्वविद्यालय, आइआइटी-बीएचयू, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, शूलिनि यूनिवर्सिटी आफ बायोटेक्नोलाजी एंड मैनेजमेंट साइंसेज और सत्यभामा इंस्टीट्यूट आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी।